सोमवार
18 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4

**टेनिस एल्बो के दर्द को दूर कर सकते हैं ये एसेंशियल ऑयल्स**

पृष्ठ 5

**सामंथा रुथ प्रभु की यशोदा 12 अगस्त को सिनेमाघरों में होगी रिलीज**

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 79
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

**आज का विचार**

पुष्प की सुगंध वायु के विपरीत कभी नहीं जाती लेकिन मानव के सदगुण की महक सब ओर फैल जाती है।
– गौतम बुद्ध

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

# दंगाइयों पर होगी सख्त कार्यवाही: धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हनुमान जयंती के अवसर पर अराजक तत्वों द्वारा की गई हिंसा व पथराव की घटनाओं की निंदा करते हुए कहा है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी इसके आदेश अधिकारियों को दे दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि बात चाहे दिल्ली के जहांगीरपुरी की हो या फिर हरिद्वार के गांव डांडा जलालपुर की हो, यह अत्यंत ही निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के साथ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी कानून व्यवस्था को हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि दंगाइयों से सख्ती से निपटें। इस बीच स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आज हरिद्वार के जलालपुर क्षेत्र में एसपी सिटी के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा मार्च निकाला गया। पुलिस सभी मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में ड्रोन के जरिए निगरानी कर रही

**●प्रशासन अलर्ट, हरिद्वार में पुलिस का मार्च ●ड्रोन से की जा रही है निगरानी**

है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है तथा आरोपियों की धरपकड़ जारी है। किसी को भी सामाजिक माहौल खराब नहीं करने दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि हनुमान जयंती के अवसर पर देर रात आठ बजे भगवानपुर के गांव डांडा जलालपुर में हिंदू संगठनों द्वारा शोभायात्रा निकाली जा रही थी जिस पर अचानक कुछ शरारती तत्वों द्वारा हमला कर दिया गया तथा बवाल

**क्राइम ब्रांच की टीम पर आज फिर हुआ पथराव**

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई पथराव की घटना के बाद आज फिर यहां जांच करने गई दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम पर मकान की छत से पत्थर फेंका गया इसमें एक अधिकारी के घायल होने की खबर है इस मामले में भारी पुलिस बलों की तैनाती के बीच भी पत्थर फेंके जाने की घटना को पुलिस प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। स्थानीय लोगों द्वारा इस मामले में की गई गिरफ्तारी का विरोध किया जा रहा है। तनाव को देखते हुए अब क्षेत्र में और अधिक पुलिस बल तैनात किए गए हैं।

के दौरान कुछ वाहनों को भी आग लगा दी गई थी। इस मामले में 12 लोगों को नामजद करते हुए 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है जबकि कई आरोपी पुलिस कार्रवाई के डर से अपना घर

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

# तीर्थ पुरोहितों ने केदारधाम को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने का जताया विरोध

विशेष संवाददाता

देहरादून। देवस्थानम बोर्ड के विरोध की लड़ाई जीतने के बाद अब चारधाम के तीर्थ पुरोहित नहीं चाहते कि केदारनाथ धाम को सरकार द्वारा राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाए। इसका विरोध करते हुए अब तीर्थ पुरोहितों ने इसे धार्मिक धरोहर से छेड़छाड़ और सरकारी दखल बताया है।

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों सत्ता में बैठे लोगों द्वारा केदारनाथ को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग उठाई गई थी। राज्य सरकार केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर केदारनाथ को राष्ट्रीय धरोहर घोषित कराने की प्रक्रिया शुरू करें इससे पूर्व ही तीर्थ पुरोहितों ने सरकार के इस कदम का विरोध शुरू कर दिया है। तीर्थ पुरोहितों द्वारा मुख्य सचिव एसएस संधू को ज्ञापन भेजकर इसका विरोध जताया है।

ज्ञापन में कहा गया है कि पहले सरकार द्वारा देवस्थानम बोर्ड का गठन कर आस्था के स्थलों में हस्तक्षेप का प्रयास किया गया और जब हमारे विरोध के बाद यह फैसला वापस ले लिया गया है तो सरकार हस्तक्षेप के दूसरे रास्ते

**❑मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजकर किया विरोध**

तलाश रही है। उन्होंने कहा है कि इससे केदारनाथ के मूल स्वरूप को नुकसान हो सकता है। इसलिए केदारनाथ को राष्ट्रीय धरोहर घोषित नहीं किया जाना चाहिए।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद केदारघाटी का पूरा नक्शा ही बदल गया था। आदि बद्रीनाथ की प्रतिमा से लेकर यहां तमाम नव निर्माण के काम केंद्र सरकार द्वारा कराए गए हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य सरकार या मंदिर समिति इसके पुनर्निर्माण का काम नहीं करा सकी जिसके कारण ही केंद्र सरकार और पीएम मोदी ने इसकी जिम्मेदारी संभाली। अगर इसे राष्ट्रीय धरोहर घोषित कर दिया जाता है तो इसके रखरखाव का जिम्मा भी केंद्र सरकार का होगा। लेकिन तीर्थ पुरोहितों को इसमें आपत्ति है। उन्हें शायद ऐसा लगता है कि इससे सारी व्यवस्थाएं उनके हाथ से निकल जाएगी।

# सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा की जमानत रद्द कर दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में भारतीय जनता पार्टी के नेता अजय मिश्रा के बेटे और मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत रद्द कर दी और उन्हें एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के

बेटे आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट ने १० फरवरी को उन्हें जमानत दे दी थी। सीजेआई एन वी रमना और जस्टिस सूर्यकांत और हेमा कोहली ने कहा कि हाई कोर्ट ने आशीष को जमानत देते समय अप्रासंगिक तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और एफआईआर को सुसमाचार की सच्चाई मानकर गलती की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट ने शिकायतकर्ता को बहस करने और जमानत का विरोध करने का मौका नहीं देकर भी गलती की है। ४ अप्रैल को मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में मृतक के परिवार के सदस्यों ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के १० फरवरी २०२२ के आदेश को चुनौती दी, जिसमें आशीष मिश्रा को नियमित जमानत दी गई थी।

# देश में बढ़े कोरोना संक्रमण के मामले, पिछले 24 घंटे में आए 2 हज़ार से ज्यादा नए मामले

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि एक्टिव केस में गिरावट का दौर जारी है। पिछले २४ घंटे में देश में कोरोना के २ हज़ार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं, जबकि इस दौरान कोरोना संक्रमण से ठीक होने वालों की संख्या लगभग २ हज़ार ही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटों में कोरोना संक्रमण के २ हज़ार १८३ नए केस सामने आने के बाद अब तक का संक्रमित आंकड़ा ४३,०४४, २८० हो गया है। वहीं इस दौरान हुई २१४ मरीजों की मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा ५२१,६६५ हो गया है।

पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस से उबरने वाले लोगों की संख्या भी २ हज़ार के करीब है। मंत्रालय के अनुसार, पिछले एक दिन में १,६८५ मरीज कोरोना संक्रमण से ठीक हुए हैं। वहीं कोरोना टीकाकरण के तहत अब तक १८६.५४ करोड़ से अधिक एंटी कोविड वैक्सीन की डोज़ दी जा चुकी हैं।

दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर ५०.४५ करोड़ हो गए हैं। इस महामारी से अबतक कुल ६१.६ लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि ११.१६ अरब से ज्यादा का वैक्सीनेशन हुआ है। ये जानकारी जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने साझा की।

वही दूसरी ओर यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने शनिवार की सुबह नए अपडेट में बताया कि वर्तमान वैश्विक मामले, मरने वालों और टीकाकरण की कुल संख्या बढ़कर क्रमशरू ५०४,५६६,५१५, ६,१६८,२१६ और ११,१६८,७६३,०८३ हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, दुनिया के सबसे ज्यादा मामलों और मौतों की संख्या बढ़कर क्रमशः ८०,६३२,३०१ और ६८८,६१८ के साथ अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावित देश बना हुआ है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# अराजक तत्वों पर सख्ती जरूरी

हमारे संविधान की मूल भावना भले ही सर्व धर्म समभाव की रही हो और उसकी प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष जैसे भारी-भरकम शब्दों का उल्लेख हो लेकिन इसके बावजूद भी धर्म और जातिगत मुद्दों पर जिस तरह तकरार और टकराव की घटनाएं पेश आती रही हैं उन्हें सांप्रदायिक सद्भाव के लिए बड़ा खतरा माना जाता है। परसों भी हनुमान जयंती के अवसर पर देश भर में निकाली गई शोभा यात्राओं के दौरान अराजक तत्वों द्वारा पथराव, गोलीबारी और हिंसा फैलाने के जो प्रयास किए गए उन्हें उचित नहीं ठहराया जा सकता है। देश की राजधानी दिल्ली से लेकर दून और हरिद्वार तक ऐसी कई घटनाएं सामने आई है जो सामाजिक सुरक्षा के लिहाज से तो चिंतनीय है ही इसके साथ-साथ देश की एकता और अखंडता के लिए भी एक बड़ा खतरा है। हरिद्वार जनपद के जलालपुर में पथराव करने वाले लोगों द्वारा पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे भी लगाए गए। सवाल यह है कि दिल्ली के जेएनयू से लेकर अलीगढ़ के एएमयू और हरिद्वार के जलालपुर तक ये पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वाले कौन लोग हैं? जो खाते भारत का है और रहते भारत में हैं और नारे पाकिस्तान जिंदाबाद के लगाते हैं। तथा हिंदुओं के देवी-देवताओं पर भी अश्लील टिप्पणी करते हैं। ऐसे देशद्रोहियों और अराजक तत्वों की न सिर्फ पहचान किया जाना जरूरी है बल्कि इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई किया जाना भी जरूरी है। हैरान करने वाली बात यह है कि एक तरफ सरकार द्वारा इन्हें देश में फलने फूलने के समान अवसर दिए जा रहे हैं और पीएम मोदी द्वारा सबका साथ सबका विकास की भावना से काम किया जा रहा है लेकिन इसके बाद भी सबका विश्वास कहां से लाया जाए? सच यह है कि यह संभव है ही नहीं चाहे सरकार और पीएम इसके लिए कुछ भी कर ले। पथराव करने वाले इन अराजक तत्वों की अब पहचान तो की ही जा रही है। साथ ही उनकी गिरफ्तारियां भी की जा रही है। दरअसल इन अराजक तत्वों को शांतिपूर्ण जीवन रास नहीं आता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सख्त रूख इसका एक प्रमाण है। उनके पूर्ववर्ती 5 साल के कार्यकाल में एक सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ यही नहीं बीते कल हनुमान जयंती की शोभा यात्राओं के दौरान भी उत्तर प्रदेश से हिंसा की कोई खबर नहीं आई। अगर उत्तराखंड सरकार का रुख भी यूपी जैसा सख्त होता तो यहां भी वह सब देखने को नहीं मिलता जो देखा गया। परसों उत्तराखंड में जो कुछ हुआ वह पुलिस और प्रशासन की एक बड़ी असफलता है।

# जीत के आगे की चुनौती

फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव के पहले चरण के मतदान में जो रूझान दिखे, उससे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के खेमे की चिंता बढ़ जाएगी। 24 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान होगा। उसमें सत्ता विरोधी तमाम वोटों का ध्रुवीकरण हुआ और मतदान प्रतिशत कम रहा हो, मैक्रों के लिए मुश्किल हो सकती है।

फ्रांस के राष्ट्रपति चुनाव के पहले चरण के मतदान में इमैनुएल मैक्रों सबसे आगे रहे। लेकिन इसके आधार पर अभी यह नहीं माना जा रहा है कि दूसरे चरण में उनकी जीत पक्की है। इसकी वजह पहले चरण में दिखे कुछ रूझान हैँ। बल्कि कहा जा रहा है कि पहले चरण के मतदान में जो रूझान दिखे, उससे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के खेमे की चिंता बढ़ जाएगी। 24 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान होगा। उसमें मैक्रों और धुर दक्षिणपंथी नेशनल रैली पार्टी की नेता मेरी ली पेन के बीच सीधा मुकाबला होगा। पहले चरण में 27।6 प्रतिशत वोट हासिल कर मैक्रों सबसे आगे रहे। ली पेन से वे चार फीसदी मतों के अंतर से आगे रहे। लेकिन मैक्रों के लिए सबसे बड़ी चिंता का पहलू वामपंथी नेता ज्यां-लुक मेलेन्शॉं का अपेक्षा से अधिक वोट हासिल कर लेना है। मेलेन्शॉं को 22 फीसदी से भी ज्यादा वोट मिले। मेलेन्शॉ के समर्थकों को सत्ता विरोधी समझा जाता है। दूसरे चरण में मेलेन्शॉं समर्थक मतदाताओं में कौन किधर जाएगा, इसका अनुमान लगाना अभी मुश्किल है। लेकिन अनुमान है कि उनका एक बड़ा हिस्सा ली पेन को वोट दे सकता है।

अनुमान है कि मेलेन्शॉ समर्थक मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा दूसरे चरण के मतदान में गैर हाजिर रहेगा। ली पेन को पहले चरण में लगभग साढ़े 23 फीसदी वोट मिले। यह भी पहले लगाए गए अनुमान से ज्यादा है। आम अनुमान है कि दूसरे चरण में उन्हें एक अन्य धुर दक्षिणपंथी उम्मीदवार एरिक जिमो के पक्ष में गए वोट भी मिलेंगे। जिमो को सात फीसदी वोट मिले हैं। बहरहाल, ताजा चुनाव नतीजे ने इस बात की फिर पुष्टि की है कि फ्रांस की राजनीति में पहले जैसा लेफ्ट और राइट का बंटवारा नहीं रह गया है। पहले चरण में वामपंथ और दक्षिणपंथ की परंपरागत पार्टियों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा।

परंपरागत दक्षिणपंथी पार्टी द रिपब्लिक की उम्मीदवार वालेरी पिक्रेसी सिर्फ 4।7 प्रतिशत वोट हासिल कर पाईं। परंपरागत वामपंथी दल- सोशलिस्ट पार्टी की उम्मीदवार एनी हिडालगो तो दो प्रतिशत भी वोट पाने में सफल नहीं हुईं। जबकि 2014 तक ये दोनों पार्टियां अदल-बदल कर सत्ता में आती थीं। लेकिन अब हालात बदल गए हैँ। पहले चरण में मतदान का प्रतिशत अपेक्षा से ऊंचा रहा। 74 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। समझा जाता है कि दूसरे चरण में कम मतदाता वोट डालने आए, तो इसका फायदा ली पेन को मिलेगा। (आरएनएस)

इन्द्राग्नी तपन्ति माघा अर्यो अरातयः।
अप द्वेषांस्या कृतं युयुतं सूर्यादधि।।

(ऋग्वेद ६-५९-८)

हे इंद्र और अग्नि ! द्वेष आदि दुष्ट शत्रु हमें ताप देते हैं। उनको हमसे दूर कर दो। ज्ञान रूप सूर्य का प्रकाश जहां पहुंचता है वहां द्वेष आदि की भावना रह नहीं सकती।

O Indra and Agni ! Evil enemies, like hatred, give us heat. Take them away from us. Wherever the light of the Sun in the form of knowledge reaches, there cannot be any feelings of hatred, etc.
(Rig Veda 6-59-8)

# पाकिस्तान में एक और शरीफ...

डॉ. सुधीर सक्सेना

भारतीय उपमहाद्वीप के सभी देशों में सियासत में खानदानों के वर्चस्व की परंपरा रही है। पाकिस्तान में पीएम के कूचे से इमरान खान नियाजी की बेआबरू-विदाई के उपरांत शाहबाज शरीफ के पीएम हाउस की देहरी तक पहुंचने को इसी रवायत का निर्वाह माना जा सकता है। गौरतलब है कि शाहबाज पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ के छोटे भाई हैं और उन्हें मौकों के लिहाज से तीन बार और मोहलत के मान से सबसे ज्यादा सालों के लिए पंजाब का चीफ मिनिस्टर बने रहने का फख्र हासिल है।

पाकिस्तान के लिए संडे इस नाते मानीखेज रहा कि इस वैश्विक छुट्टी के दिन लोगों को इमरान की छुट्टी की खबर मिली। शनिवार को रात देर गये पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान ने 'आखिरी गेंद तक लड़ने' का राग आलाप रहे बड़बोले और जिद्दी इमरान खान की छुट्टी कर दी। 167 मेंबरों के दस्तखत से पेश नो-कांफिडेंस मोशन को उन सात दीगर मेंबरों का भी समर्थन मिला, जिन्होंने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किये थे। सदन में पराजय से इमरान ने किसी भी प्रधानमंत्री के पद पर पांच साल पूरे न कर पाने का मिथक को बरकरार रखा। असेंबली के फैसले ने इस बात की भी तस्दीक कर दी कि पाकिस्तान में जम्हूरियत की जमीन सख्त नहीं है, लिहाजा वहां अभी भी फौज को ठेंगा दिखाकर हुकूमत करना आसान नहीं है। अगर्चे इमरान नियाजी फौज के मुखिया जनरल बाजवा से पंगा नहीं लेते तो शायद उन्हें बतौर पीएम कुछ और दिनों की मोहलत मिल गयी होती। उनके चिट्ठी लहराने से पाकिस्तान में परिवर्तन के वास्ते किसी अमेरिकी षडयंत्र की पुष्टि तो नहीं होती, अलबत्ता तय है कि पाक हुक्मरान के लिए व्हाइट हाउस की नाराजगी मायने रखती है। पाकिस्तान में सियासत, सेना, कार्पोरेट और राजनय में अमेरिका की चाबी भरे हुए खिलौनों की कमी नहीं है। बिला शक धुंधलके की गुंजाइश इसलिए नहीं है, क्योंकि पीएमएल (नवाज) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मरयम नवाज ने पहले ही साफ कर दिया है कि अविश्वास प्रस्ताव के पारित होने पर शाहबाज प्रधानमंत्री पद के दावेदार होंगे। मरयम पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी होने के नाते शाहबाज की भतीजी होती हैं। बिलावल भुट्टो ने भी इसी आशय के संकेत दिये हैं। शाहबाज सन् 2018 में नेशनल असेंबली के चुनाव में पीएम-शिप के दावेदार थे, लेकिन उनके नसीब में इंतजार बदा था। ढाई साल इंतजार के बाद अब यह नौबत आई है कि वे बेमेल पार्टियों के कुनबे के बूते कुछ अर्सा के लिए ऐसे मुल्क के प्रधानमंत्री बन सकते हैं, जो बदहाली, बदइंतजामी और बदमिजाजी के कठिन दौर से गुजर रहा है।

शाहबाज शरीफ 13 अगस्त, 2018 से नेशनल असेंबली के सदस्य हैं और विपक्ष के नेता भी। वे पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। 23 सितंबर सन् 1951 को जनमे शाहबाज के पिता कारोबारी थे और कारोबार के सिलसिले में अक्सर अनंतनाग आया-जाया करते थे। शरीफ की मां पुलवामा की थी। शरीफ परिवार अमृतसर में आ बसा था, लेकिन बंटवारा हुआ तो परिवार लाहौर चला गया। सनद के बाद शाहबाज ने भी कारोबार संभाला, किन्तु सन् 80 के दशक में उन्होंने सियासत में प्रवेश किया। सन् 1988 में लाहौर से पंजाब विधानसभा का पहला चुनाव जीतने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सन् 1990 में वे स्टेट असेंबली और नेशनल असेंबली दोनों के लिए लड़े और जीते, मगर उन्होंने नेशनल को वरीयता दी। सन् 97 में वे पहली दफा पंजाब के सीएम बने, लेकिन दो साल बाद ही 'कू-दे-ता' ने उनकी कुर्सी छीन ली। उन्हें सपरिवार भागकर दुबई जाना पड़ा, जहां से वे सन् 2007 में लौट सके। तदंतर वे 2008 से 2018 तक पंजाब के सीएम रहे। शाहबाज अपने भाई नवाज से ज्यादा दौलतमंद माने जाते हैं और मनी लांड्रिंग को लेकर वे गिरफ्तार भी हुए। उन पर मुकदमे अभी भी चल रहे हैं। बतौर पीएम कामयाबी के लिए उन्हें 'तनी हुई रस्सी पर नट' जैसा कौशल प्रदर्शित करना होगा। शाहबाज के लिए अच्छा होगा कि बाजवा (यानी फौज) सियासत में दखल से बाज आये। उनकी राह पुरखार है। उन्हें माली हालत सुधारनी है। भारत से रिश्तों को परिभाषित करना है और फौज व अमेरिका को यकसां साधना है। जाहिर है कि चुनौतियां कम नहीं हैं, लेकिन पड़ोसी देश पाकिस्तान में जम्हूरियत, खुशहाली और शांतिप्रियता 'बिग ब्रदर' भारत के हित में है।

# खतरनाक दिशा में दुनिया

प्रथम विश्व युद्ध के बाद लीग ऑफ नेशन्स बना था। लेकिन वह विफल रहा। उसका बहुत घातक परिणाम दुनिया को झेलना पड़ा। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद को शामिल किया गया। प्रावधान किया गया कि दुनिया की पांच बड़ी शक्तियों को इसमें वीटो का अधिकार होगा। पहले संदर्भ पर गौर करें। संयुक्त राष्ट्र का गठन दूसरे विश्व युद्ध के बाद हुआ। इसका प्राथमिक उद्देश्य था दुनिया में फिर दूसरे विश्व युद्ध जैसी हालत पैदा ना हो, उसे सुनिश्चित करना। प्रथम विश्व युद्ध के बाद लीग ऑफ नेशन्स बना था। लेकिन वह विफल रहा। उसका बहुत घातक परिणाम दुनिया को झेलना पड़ा। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद को शामिल किया गया। प्रावधान किया गया कि दुनिया की पांच बड़ी शक्तियों को इसमें वीटो का अधिकार होगा। इन शक्तियों के बीच संतुलन पर विश्व शांति टिकी है- यह बात आज भी उतना ही सच है। लेकिन अब पश्चिमी देशों ने संयुक्त राष्ट्रों में हेरफेर शुरू कर दी है। अमेरिकी अधिकारी रूस को सुरक्षा परिषद से निकालने तक की बात कह चुके हैँ। शुरुआत के तौर पर रूस को संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद से निकालने का प्रस्ताव लाया गया, जो पारित हो गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 193 सदस्य देशों में से 93 ने ही प्रस्ताव के समर्थन में वोट किया। लेकिन प्रावधान यह है कि मतदान करने वाले कुछ सदस्यों का दो तिहाई अगर पक्ष में हो, तो प्रस्ताव पारित हो जाएगा। विरोध में सिर्फ 24 देशों ने मतदान किया। 58 सदस्यों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। 19 सदस्य देश इस मौके पर उपस्थित ही नहीं हुए। मगर तकनीकी तौर पर प्रस्ताव को दो तिहाई समर्थन मिल गया और रूस की सदस्यता के निलंबन पर मुहर लग गई। इसे पश्चिमी देश अपनी जीत समझ सकते हैँ। लेकिन हकीकत यह है कि 100 देशों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसे दुस्साहस में निहित खतरे की बेहतर समझ दिखाई। उन देशों ने समझा कि इस प्रस्ताव के जरिए जो किया जा रहा है, वह एक गलत शुरुआत है, जिसके खतरनाक नतीजे हो सकते हैँ। पश्चिमी देशों पर इस पर भी गौर करना चाहिए कि इसके पहले जब महासभा में रूस के खिलाफ प्रस्ताव आए थे, तब 141 और 140 सदस्यों ने रूस के खिलाफ वोट किया था। इस बार ये संख्या घट कर सिर्फ 93 रह गई। मानवाधिकार परिषद में 47 सदस्य हैं। रूस अपनी तीन साल की सदस्यता के दूसरे साल में था। वहां अब रूस के ना रहने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मगर पश्चिमी देशों की सरकारों को अपनी जनता को यह समझाने में मदद मिलेगी, दुनिया उनके साथ है।(आरएनएस)

# 23 पेटी शराब के साथ दो गिरफ्तार एक फरार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने 23 पेटी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया जबकि उनका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाते हुए टीम का गठन किया गया गठित टीम के द्वारा गत दिवस सूचना पर अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चेकिंग के दौरान गली नंबर 3 बीस बीघा के पास से स्विफ्ट डिजायर गाड़ी सें कुल 23 पेटी अंग्रेजी शराब भिन्न-भिन्न ब्रांड नाजायज की तस्करी करते 02 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अनुज कुमार पुत्र प्रेमचंद निवासी आवास विकास ऋषिकश, अमित कोठारी पुत्र कृष्णानंद निवासी ग्राम जगधार चंबा टेहरी गढ़वाल बताया। उन्होंने अपने फरार साथी का नाम रवि गुप्ता पुत्र सुरेश चंद गुप्ता निवासी गली नंबर 34 शिवाजी नगर ऋषिकेश बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

# अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवती घायल

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैण्ट निवासी नरेन्द्र सिंह ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रही थी जब वह केहरी गांव के पास पहुची तभी तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने लालतप्पड के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से सात ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अभिषेक बहादुर पुत्र हरक बहादुर निवासी छिददरवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# चोरी की दो बाइक सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। चोरी व धोखाधड़ी से बाइक चुराने वाले एक शातिर को पुलिस ने कल देर शाम चुरायी गयी लाखों रूपये की दो मोटरसाइकलों सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नशे का आदी है जो पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल की हवा खा चुका है।

जानकारी के अनुसार बीते शनिवार को विश्वनाथ तिवारी निवासी भोगपुर द्वारा थाना रानीपोखरी में तहरीर देकर बताया गया था कि 13 अप्रैल को उनका पुत्र आशुतोष तिवारी अपने मोटरसाइकिल लेकर सामान लेने भोगपुर गया था। जैसे ही बाइक खड़ी कर वह सामान लेने दुकान पहुंचा तो उसकी बाइक किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गयी थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। पुलिस द्वारा जब घटना स्थल के आसपास आने और जाने वाले सीसीटीवी का अवलोकन किया गया तो पाया कि मोटरसाइकिल चोर ऋषिकेश नटराज तिराहा होते हुए उत्तरकाशी की तरफ जा रहा है। इस पर पुलिस टीम ने उत्तरकाशी एसओजी के सहयोग से आरोपी चोर केशव बिजलवान निवासी उत्तरकाशी को मय चोरी की मोटरसाइकिल सहित जोशियारा पुल उत्तरकाशी पार्किंग से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने एक अन्य बाइक देहरादून से चोरी करना कबूल किया। जिसने उसे आज सुबह लच्छीवाला के जंगल से बरामद करा दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे का आदी है जो पूर्व में भी नशा तस्करी के आरोप में जेल की हवा खा चुका है।

# 'विकास के नाम पर पेड़ों का कटान भावी पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पर्यावरण संरक्षण को लेकर शहीद स्थल पर एक सभा आयोजित की। सभा की अध्यक्षता पदश्री रवि चोपड़ा ने की व संचालन कमला पंत ने किया। सभा में उपस्थित सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधिगण के साथ दून के पर्यावरण प्रेमी भी सम्मिलित हुए। पर्यावरण प्रेमियों ने विकास के नाम पर भारी संख्या में काटे जा रहे पेड़ों के कटान को भावी पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बताया।

जंगलों को जीवनदाता बताते हुए कहा गया कि पर्यटकों की सुविधा के लिए वनों को खत्म कर सडके बनाए जाना विनाश का प्रतीक है। कहा कि दून में ८५ किलोमीटर के बन रहे रिंग रोड की जगह एलिवेटेड रोड बनाई जानी चाहिए। शहर के भीतर यातायात के जाम से राहत दिलाने हेतु घंटाघर के चारों ओर एलिवेटेड रोड बनाया जाना अधिक उपयुक्त होगा जिससे आमजन को प्रदूषण से मुक्ति दिलाई जा सकती है। इसके लिए सरकार और शासन के सभी अधिकारियों को समय रहते कदम उठाने होंगे।

वक्ताओं में जगदीश बावला, हिमांशु अरोडा, डॉक्टर आंचल शर्मा, मनोज ध्यानी, डॉ मुकुल देव शर्मा, बीजू नेगी, सुशील त्यागी, पंचम सिंह बिष्ट,चौधरी ओमवीर सिंह, एलपी रतूड़ी, जेपी कुकरेती, सुशीला विरमानी, आरिफ खान, सुशील सैनी,जगमोहन मेंदीरत्ता, समर भंडारी, रविंद्र नेगी, मनोज रावत, त्रिलोचन भट्ट ,आयुष जोशी, डॉ हेमंत ध्यानी, मोहन सिंह रावत, लोक बहादुर थापा, द्वारकाधीश, राकेश थपलियाल, यशवीर आर्य, डॉ एसएस पांगती,पीसी थपलियाल, दिनेश भंडारी आदि शामिल थे।

सभा में जबर सिंह पावेल, निर्मला बिष्ट, रोशन धस्माना, चौधरी भोपाल सिंह, एचडी पंत, मनमोहन कंडवाल, मुकेश नारायण शर्मा, जयदीप सकलानी बॉबी पवार रामलाल खंडूरी जितेंद्र डंडोना सहित भारी संख्या में महिला मंच की कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए सभी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ कोआर्डिनेशन कमेटी बनाने का भी निर्णय लिया गया आगामी दिनांक २२ अप्रैल पृथ्वी दिवस पर भी गांधी पार्क में एकत्रित होकर उत्तराखंड के सुनियोजित विकास तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रदर्शन करने का भी निश्चय किया गया है।

# आईपीएल मैचों में सट्टा लगाने वाला सटोरिया गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रोविजन स्टोर की आड़ में आईपीएल मैचों पर सट्टा लगवाने वाले एक शातिर सटोरियें को पुलिस ने कल देर शाम हजारों की नगदी व दो मोबाइल फोन सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम एसओजी देहात व ऋषिकेश कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि भल्ला फार्म में चौहान प्रोविजनल स्टोर का मालिक लम्बे समय से आईपीएल मैचों में मोबाईल फोन के माध्यम से ऑन लाईन सट्टा चलाता आ रहा है तथा आज भी वह अपनी दुकान में बैठकर आईपीएल मैचों में ऑन लाईन सट्टा चला रहा है।

## ❑हजारों की नगदी व दो मोबाइल फोन बरामद

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी देहात की टीम मौके पर पहुची तो दुकान पर मौजूद व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर मोबाईल फोन मे कुछ हरकतें कर भागने का प्रयास करने लगा। जिसको दुकान के सामने पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 27 हजार 500 की नगदी व दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम सुनील चौहान पुत्र स्व. शिवपाल सिंह निवासी भल्ला फार्म श्यामपुर बताया। बताया कि मेरी चौहान प्रोविजनल स्टोर के नाम से परचून की दुकान है। कोविड कर्फ्यू के बाद से कमाई कम होने पर किसी के सुझाव पर मैने आईपीएल ऑन लाईन सट्टा खिलाने का काम किया था यह मैं तब से करता आ रहा हूँ तथा इससे मेरी काफी अच्छी कमाई भी हो रही है। आज भी जब मै ऑन लाईन सट्टा खिला रहा था तो वहां पुलिस आ गयी, पकड़े जाने के डर से मैने अपने नीले रंग के फोन से सिम निकालकर तोडकर नाली में फेंक दिया था। बहरहाल पुलिस ने उसे जुआ अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश कर दिया है।

# महिलाओं ने शहीद स्मारक पार्क के रखरखाव की जिम्मेदारी फिर अपने हाथों में ली

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। मुनस्यारी के थाना बैण्ड स्थित मौहल्ले की महिलाओं ने शहीद स्मारक पार्क के रखरखाव की जिम्मेदारी फिर अपने हाथों में ले ली। महिलाओं ने आज पार्क की सफाई की ओर फूलों के गार्डन की गुड़ाई एवं निराई भी की।

पद्मश्री सम्मान से सम्मानित आइटीबीपी के महानिदेशक पद से सेवानिवृत्त एवरेस्ट विजेता हुक्म सिंह पांगती तथा मुनस्यारी के ४३ स्वतंत्र संग्राम सेनानियों की स्मृति में बने इस पार्क की जिम्मेदारी किसी भी सरकारी विभाग के पास नहीं है।

आइटीबीपी द्वारा स्वर्गीय पांगती की स्मृति में हर साल होने वाले कार्यक्रम से पहले एक बार इस पार्क की सामान्य सी सफाई की जाती है। पार्क के रखरखाव की प्रमुख जिम्मेदारी थाना बैण्ड की महिलाएं कई वर्षों से उठा रही। कुछ दिनों पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने महिलाओं के साथ इस संदर्भ में एक बैठक की थी। पार्क में हुई बैठक में तय तिथि के अनुसार आज महिलाएं हाथों में कुदाल तथा दरांती लेकर पार्क में पहुंची। महिलाओं ने पहले पार्क की सफाई की। झाड़ झंकार को नष्ट किया।उसके बाद पार्क में लगे ईटों को सुव्यवस्थित किया। फूलों की निराई गुड़ाई की। महिलाओं ने कहा कि पार्क में आने वाले लोग अनुशासित होकर आवागमन करें तो पार्क की सुंदरता लंबे समय तक कायम रखी जा सकती है। इसके लिए भारत को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों से ६५०० दंड स्वरूप वसूली किए जाने का फैसला भी लिया गया।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि इन महिलाओं की सामुदायिक कार्य की भावना तारीफ ए काबिल है। समाज अगर किसी सरकारी संस्थान की जिम्मेदारी उठा ले तो तभी इस तरह के सार्वजनिक स्थानों की देखभाल एवं सुरक्षा आसानी से की जा सकती है। पार्क के सौन्दर्यीकरण की व्यवस्था के लिए बजट हेतु जिलाधिकारी से वार्ता की जाएगी। इस मौके पर विमला द्विवेदी, नीमा देवी,जानकी देवी,हेमवंती देवी, नदा देवी, मथुरा देवी, गगोत्री देवी आदि मौजूद रहे।

# कपड़ों को महकाने के लिए धोते समय करें इन चीजों का इस्तेमाल, नहीं पड़ेगी परफ़्यूम की जरूरत

आमतौर पर देखा जाता हैं कि कपड़ों से खुशबु आए इसके लिए लोग परफ़्यूम का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। जो कुछ देर तक ही टिकता हैं और इसके बाद कपड़ों से पसीने की बदबू आने लगती हैं। ऐसे में आप चाहे तो कपड़ों को धोते वक्त ही कुछ ऐसा काम कर सकते हैं कि इनमें एक खुशबु बस जाए जो लंबे समय तक इनको महकाने का काम करें। आज इस कड़ी में हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें कपड़े धोते समय ही इस्तेमाल किया जाता हैं ताकि धुलाई के बाद भी कपड़ों की महक बनी रहे। तो आइये जानते हैं इन चीजों के बारे में..

फ़ैब्रिक सॉफ़्टनर

कपड़ों को ख़ुशबू से महकाने के लिए फ़ैब्रिक सॉफ़्टनर का इस्तेमाल भी एक बढ़िया उपाय है। इसके लिए अगर आप वॉशिंग मशीन में कपड़े धो रहे हैं तो रिंस के दौरान 1 बड़ा चम्मच फ़ैब्रिक सॉफ़्टनर डालें। अगर आप हाथ से कपड़े धो रहे हैं तो कपड़ों को धोने के बाद खंगालें। बाल्टीभर पानी में आधा बड़ा चम्मच फ़ैब्रिक सॉफ़्टनर मिलाएं और इसमें धोए हुए कपड़ों को 15 मिनट के लिए भिगोकर रखें। फिर कपड़ों को निचोड़कर सुखाएं।

ख़ुशबूदार डिटर्जेंट

कपड़ों को सुगंधित बनाने का सबसे आसान तरीक़ा है ख़ुशबूदार डिटर्जेंट। जी हां, बाज़ार में उपलब्ध भीनी ख़ुशबू वाले डिटर्जेंट का चुनाव कर आप अपने कपड़ों को महका सकते हैं। इसके लिए कपड़ों को धोने से पहले बाल्टीभर पानी लें। अब कपड़े के हिसाब से ख़ुशबूदार डिटर्जेंट डालें और आधे घंटे बाद कपड़ों को धोएं। इसे कपड़े ख़ुशबू से महकेंगे

नींबू का रस

नमी होने की वजह से कई बार गीले कपड़ों में से बदबू आनी शुरू हो जाती है। ऐसे में यदि आप कपड़े धोते समय नींबू के रस का इस्तेमाल करेंगे, तो कपड़ों में से बदबू की जगह खुशबु आएगी।

विनेगर

अगर आप कपड़ों को महकाने के लिए घरेलू उपाय की खोज में हैं तो समझें अब आपकी खोज ख़त्म हो गई है। जी बिल्कुल, आपके किचन में उपलब्ध विनेगर से भी आप अपने कपड़ों को सुगंधित बना सकते हैं। इसके लिए कपड़ों को धोने से पहले गुनगुने पानी में विनेगर सहित कपड़ों को भिगोएं, जैसे बाल्टीभर गुनगुने पानी में आधा कप विनेगर मिलाकर और उसमें कपड़ों को आधे घंटे के लिए भिगोकर रख दें।

लैवेंडर वॉटर

धोते समय कपड़ों को ख़ुशबूदार बनाने के लिए आप लैवेंडर वॉटर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप वॉशिंग मशीन में कपड़े धो रहे हैं तो रिंस के दौरान मशीन में 1 बड़ा चम्मच लैवेंडर वॉटर डालें। इसी तरह हाथ से कपड़े धोते समय कपड़ों को खंगालने के बाद बाल्टीभर पानी में 1 बड़ा चम्मच लैवेंडर वॉटर मिलाएं और कपड़ों को 15 मिनट के लिए उसमें भिगोएं। इससे कपड़ों से भीनी ख़ुशबू आएगी।(आरएनएस)

# इंटरनेट पर छाई निया शर्मा

टेलीविज़न जगत की मशहूर अदाकारा निया शर्मा अपने बोल्ड अंदाज को लेकर सुर्ख़ियों में रहती हैं।

निया के प्रशंसकों को भी उनके नए लुक की बेसब्री से प्रतीक्षा रहती हैं। प्रशंसक उनके साथ जुड़े रहने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। निया शर्मा सोशल मीडिया पर भी बहुत एक्टिव रहती हैं। वही एक बार फिर से निया ने अपने दिलकश अंदाज दिखाए हैं। जिसे देख प्रशंसकों के होश उड़ गए हैं। यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर निया शर्मा ने कुछ तस्वीरें साझा की हैं जिसमें उन्होंने ब्लैक क्रॉप टॉप पहना है तथा ब्लैक शर्ट भी पहना हैं। निया ने अपने कंप्लीट लुक के लिए लाइट मेकअप भी किया हैं। इसके साथ-साथ अपने बालों को क्रल्स कर रखे हैं। जिसमें वह बहुत खूबसूरत लग रही हैं।

वही निया की इन तस्वीरों को प्रशंसक बहुत पसंद कर रहे हैं। इन तस्वीरों में निया ने दिलकश अंदाज से पोज दिए हैं। जिसे देख प्रशंसक मदहोश हो गए हैं। प्रशंसकों की नजरें नहीं हट रही। कुछ ही मिनटों में इन तस्वीरों को हजारों लाइक्स मिल गए हैं। निया की तस्वीरों पर प्रशंसकों ने कमेंट कर जमकर प्यार लूटा रहे हैं। एक शख्स ने लिखा- स्टनिंग लुक, वही दूसरे शख्स ने लिखा - ब्यूटीफुल। इसी तरह प्रशंसकों ने कई कमेंट किए हैं।(आरएनएस)


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# टेनिस एल्बो के दर्द को दूर कर सकते हैं ये एसेंशियल ऑयल्स

टेनिस एल्बो एक दर्दनाक समस्या है, जो कोहनी के पास ऊपरी बांह की तरफ चोट लगने के कारण उत्पन्न होती है। इसे चिकित्सक भाषा में टेनिस एल्बो कहा जाता है। अमूमन इस समस्या से बैडमिंटन, गोल्फ और क्रिकेट आदि खेल खेलने वालों को दो-चार होना पड़ता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल्स के बारे में बताते हैं, जो प्राकृतिक रूप से टेनिस एल्बो के दर्द को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल

पेपरमिंट ऑयल यानी पुदीने के तेल का इस्तेमाल करने से टेनिस एल्बो के दर्द से राहत मिल सकती है। पुदीने के तेल में दर्द निवारक गुण मौजूद होते हैं, जो इस दर्द को दूर करते हैं। राहत के लिए पुदीने के तेल की कुछ बूंदें दर्द से प्रभावित कोहनी पर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। इसके अलावा, आप चाहें तो पानी में पुदीने के तेल की कुछ बूंदें मिलाकर नहा भी सकते हैं। इससे भी आपको आराम मिलेगा।

लैवेंडर एसेंशियल ऑयल

लैवेंडर के तेल में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण टेनिस एल्बो की मांसपेशी को आराम देकर दर्द को दूर करने में मदद कर सकते हैं। राहत के लिए एक टब को आधा हल्के गर्म पानी से भरें और उसमें थोड़ा सेंधा नमक और लैवेंडर ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं। अब इस मिश्रण से प्रभावित कोहनी की सिकाई करें, फिर कोहनी को सूखे तौलिए से पोंछकर सुखा लें। बेहतर परिणाम के लिए दिन में दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

रोजमेरी एसेंशियल ऑयल

अगर कभी भी किसी कारणवश आपके टेनिस एल्बो की समस्या हो तो इससे राहत पाने के लिए आप रोजमेरी ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजमेरी ऑयल से दर्द वाली कोहनी की मालिश करने से प्रभावित हिस्से का रक्त प्रवाह बेहतर होता है, जिससे कोहनी को दर्द से राहत मिल सकती है। दरअसल, इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड समेत कई तरह के पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जिनका कोहनी की मांसपेशी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

नीलगिरी एसेंशियल ऑयल

नीलगिरी एसेंशियल ऑयल में एनाल्जेसिक (दर्द निवारक) और एंटी-इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला) प्रभाव पाए जाते हैं। ये प्रभाव टेनिस एल्बो के दर्द से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकते हैं। राहत के लिए पहले इस तेल की कुछ बूंदों के साथ एक चम्मच जोजोबा ऑयल या फिर ऑर्गेन ऑयल मिलाएं। अब मिश्रण को उंगलियों की मदद से प्रभावित कोहनी पर कुछ मिनट तक हल्के हाथों से मलें। ऐसा दिन में दो से तीन बार करें। (आरएनएस)

# ईशा गुप्ता ने स्टूल पर बैठकर दिए एक से बढ़कर एक सिजलिंग पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता भले ही फिल्मों से दूर हों, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती है। फैंस भी एक्ट्रेस की तस्वीरों पर दिल खोलकर प्यार बरसाते हैं। अपनी बिकिनी और बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट का टेंपरेचर हाई रखने वाली ईशा गुप्ता ने एक बार अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है। तस्वीरों में ईशा ऑरेंज थाई लेंथ बॉडी फिटेड ड्रेस में नजर आ रही है। इस ऑरेंज ड्रेस के साथ ईशा गुप्ता ने ब्राउन लेदर लोफर्स कैरी किए हुए हैं। ब्राउन कलर के लकड़ी के स्टूल पर बैठकर वह एक से बढ़कर एक सिजलिंग पोज देती नजर आ रही हैं। न्यूड मेकअप हुआ है और बालों में कर्ल्स किए हैं। कानों में हूप्स पहने हैं। फैन्स को ईशा गुप्ता का यह ग्लैमरस अंदाज बेहद पसंद आ रहा है।

फैन्स ईशा गुप्ता के इस फोटोशूट पर रिएक्ट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, ईशा गुप्ता आपकी कमर के क्या कहने। मैं सोच रहा हूं कि आपकी डिजिटल पेंटिंग बना ही डालूं। एक और फैन ने लिखा, बस करो मैडम, किलर एक्स्प्रेशन्स देना बंद करो। कितना दीवाना बनाओगी हमें अपना। सिर्फ फैन्स ही नहीं, ईशा गुप्ता के सेलिब्रिटी फ्रेंड्स भी उनके वीडियो और फोटोज को काफी पसंद कर रहे हैं। आपको बता दे, ईशा गुप्ता स्पैनिश लड़के मैनुअल कैम्पोस गुआलारी को डेट कर रही हैं। इनके साथ वह अक्सर फोटोज भी शेयर करती नजर आती हैं। ईशा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह फिल्म देसी मैजिक में नजर आने वाली हैं। कहा जा रहा है कि इसके बाद उन्हें सुपरहिट फ्रेंचाइजी हेरा फेरी की तीसरी फिल्म में भी देखा जा सकता है। पिछली बार ईशा गुप्ता को फिल्म वन डे: जस्टिस डिलीवर्ड में देखा गया था। (आरएनएस)

## शब्द सामर्थ्य -98

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं :**

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

**ऊपर से नीचे**

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

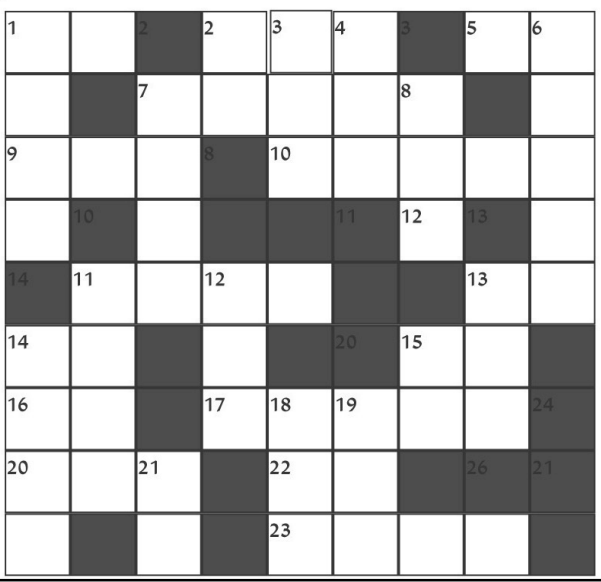

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 97 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | ल | त | ज्ञ | ■ | ■ | खा | म | खाँ |
| णे | ■ | ल | ■ | झ | प | की | ■ | ■ |
| श | र | ब | त | रं | ■ | ■ | मि | |
| ■ | ज | गा | ना | ■ | प | रा | का | ष्ठा |
| ■ | नी | र | ■ | वि | रा | ज | मा | न |
| ना | च | ■ | प | प | ■ | य | ■ | |
| म | र | णा | स | न्न | ■ | पा | नी | ■ |
| ची | ■ | ■ | प | ■ | पा | ■ | ■ | भो |
| न | ज | रा | ना | ■ | स | मा | चा | र |

## खूबसूरती में उर्फी जावेद से दो कदम आगे हैं उनकी सबसे छोटी बहन अस्फी

उर्फी जावेद की खूबसूरती की तो आपने तारीफ कई बार की होगी. हाल ही में मीडिया के सामने जैसे ही उर्फी की छोटी बहन डॉली आईं तो लोग उनकी सुंदरता के कायल हो गए. लेकिन अगर आपको ये लगता है कि उर्फी और डॉली ही सबसे ज्यादा खूबसूरत हैं तो आप गलत हैं. उर्फी को मिलाकर उनकी चार बहनें और एक भाई है. उर्फी की सबसे छोटी बहन अस्फी जावेद भी इतनी ज्यादा सुंदर है कि उन पर से आपका नजरें हटाना मुश्किल हो जाएगा. देखिए उर्फी की सबसे छोटी बहन अस्फी जावेद की कुछ तस्वीरें. उर्फी और डॉली की ही तरह अस्फी जावेद भी खूबसूरती के मामले में हीरोइनों को टक्कर देती हैं. अस्फी भी डॉली जावेद की तरह ब्लॉगर हैं. जैसे ही वो इंस्टाग्राम पर अपनी कोई तस्वीर शेयर करती हैं वैसे ही वो वायरल हो जाती है. खास बात है कि अस्फी का ड्रेसिंग सेन्स भी अपनी बहनों की तरह कमाल का है.

## ऐश्वर्या राजेश ने जारी किया जय-स्टारर कुट्तरम कुट्तरमे का ट्रेलर

अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश ने निर्देशक सुसेनथिरन की आने वाली एक्शन थ्रिलर कुट्तरम कुट्तरमे का ट्रेलर जारी किया, जिसमें अभिनेता जय, भारतीराजा और हरीश उस्थमन मुख्य भूमिका में हैं। ट्रेलर जारी करते हुए, ऐश्वर्या ने ट्वीट किया, कुट्तरम कुट्तरमे के ट्रेलर को जारी करते हुए खुशी हो रही है। ट्रेलर शानदार है, 14 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे कलैगनार टीवी पर फिल्म का प्रीमियर देखने के लिए उत्सुक हूं। टेलीविजन पर सीधे रिलीज होने वाली इस फिल्म में दिव्या दुरईसामी, स्मृति वेंकट और अरुल दोस भी शामिल हैं। ए के वी दुरई द्वारा निर्मित, फिल्म में अजेश का संगीत और वेलराज द्वारा सिनेमैटोग्राफर हैं। फिल्म के संवाद बस्कर शक्ति द्वारा लिखे गए हैं और कला निर्देशन सेकर बो द्वारा किया गया है।

## रवि तेजा-स्टारर रामाराव ऑन ड्यूटी का पहला गाना रिलीज

निर्देशक सरथ मांडवा की आगामी एक्शन-थ्रिलर रामाराव ऑन ड्यूटी के निर्माताओं ने रविवार को फिल्म का पहला गाना बुलबुल तरंग रिलीज किया। सिड श्रीराम द्वारा गाया गया, इस गाने के बोल राकेंदु मौली ने और संगीत सैम सी एस ने दिया है। सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित, यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित है और इसमें कई सितारे हैं। फिल्म में रवि तेजा और राजीशा विजयन के अलावा, दिव्याशा कौशिक, वेणु थोट्टमपुडी, नासिर, सीनियर नरेश, पवित्रा लोकेश, सरपेटा परमबरई फेम जॉन विजय और चैतन्य कृष्ण भी होंगे। फिल्म के लिए छायांकन सत्यन सूर्यन द्वारा किया गया है, जबकि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता प्रवीण केएल इसके एडिटर हैं। रामाराव ऑन ड्यूटी 17 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

## बेहद भावुक फिल्म है 'जयेशभाई जोरदार' : रणवीर सिंह

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म बेहद भावुक फिल्म है, जो लोगों को रोने पर मजबूर कर देगी। रणवीर सिंह ने अपनी आने वाली फिल्म जयेशभाई जोरदार को लेकर बताया, यह बेहद भावुक फिल्म है, जो लोगों को बेहद रूलाएगी। गौरतलब है कि फिल्म जयेशभाई जोरदार में रणवीर सिंह एक गुजराती व्यक्ति का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे, जो समाज की पितृसत्तात्मक सोच और कुर्तियों का पुरजोर विरोध करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ शालिनी पांडेय,बोमन ईरानी और रत्न पाठक शाह भी अहम किरदार में दिखाई देंगी। दिव्यांग टक्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 13 मई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## बल्ले नी बल्ले गाने को जोशीला बनाने में लगी मेहनतःअपारशक्ति खुराना

अभिनेता-गायक अपारशक्ति खुराना का हाल ही में नया गाना बल्ले नी बल्ले रिलीज हुआ है। अपारशक्ति ने कहा कि ये ब्रेकअप सोंग है, लेकिन मैंने इसके म्यूजिक को काफी जोशीला और उत्साहित रखना चाहा। वह इसे उदासीन नहीं बनाना चाहते थे क्योंकि बीते दो सालों से लोगों की जिंदगियों में काफी उतार-चढ़ाव आए हैं, इसलिए मैं इसे पॉजिटिव रखना चाहता था। इस गाने की वीडियो में उनके साथ धनश्री वर्मा चहल भी हैं। इस गाने को सिद्धार्थ अमित भावसार ने गुरप्रीत सैनी के गानों के साथ कंपोज किया है। अपारशक्ति ने कहा, गुरप्रीत ने मुझे बताया कि उन्होंने अपने दोस्त सिद्धार्थ के साथ एक गाना बनाया है। मैंने इसे सुना और मैं इसके साथ तुरंत जुड़ गया। उन्होंने मेरी निजी जिंदगी से जुड़े कुछ खूबसूरत पहलुओं को अच्छे से साझा किया। (आरएनएस)

## सामंथा रुथ प्रभु की यशोदा 12 अगस्त को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

सामंथा रुथ प्रभु दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा में उनके आइटम नंबर ने ना जाने कितनों को दीवाना बना लिया होगा। अभिनेत्री के डांस और अदाओं पर फैंस फिदा हो गए थे। अब उनकी नई फिल्म यशोदा की घोषणा हो गई है। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 12 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

समीक्षक तरण आदर्श ने इस फिल्म से जुड़ी जानकारी शेयर की है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, सामंथा की पैन इंडिया फिल्म यशोदा को रिलीज डेट मिल गई है। फिल्म 12 अगस्त, 2022 को आएगी। हरि शंकर और हरीश नारायण फिल्म का निर्देशन करेंगे। शिवलेंका कृष्ण प्रसाद द्वारा फिल्म का निर्माण किया जाएगा। मई के अंत तक इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी। शिवलेंका श्रीदेवी मूवीज के बैनर तले फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे।

फिल्म का लेखन भी हरि और हरीश की जोड़ी ने किया है। यह एक साइंस फिक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो हिन्दी सहित तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। यशोदा में उन्नी मुकुंदन और वरलक्ष्मी सरथकुमार नजर आएंगे। राव रमेश, मुरली शर्मा, संपत राज, शत्रु, मधुरिमा, कल्पना गणेश, दिव्या श्रीपदा और प्रियंका शर्मा जैसे कलाकार भी फिल्म में अपने अभिनय का जौहर दिखाएंगे। खबरों की मानें फिल्म को 30 करोड़ रुपये के बजट में बनाया जाएगा।

अभिनेता वरुण धवन ने सिटाडेल के हिन्दी वर्जन के लिए अमेजन प्राइम वीडियो के साथ हाथ मिलाया है। वह इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस सीरीज में सामंथा वरुण के अपोजिट नजर आएंगी। यह प्रियंका चोपड़ा की अमेरिकी ड्रामा सीरीज सिटाडेल का देसी संस्करण होगा। बताया जा रहा है कि मेकर्स को एक फ्रेश जोड़ी की तलाश थी। यही वजह है कि उन्होंने सामंथा को कास्ट किया। इस सीरीज में वह एक्शन अवतार में दिखेंगी।

सामंथा ने हॉलीवुड निर्देशक और स्क्रीनराइटर फिलिप जॉन की अगली फिल्म अरेंजमेंट्स ऑफ लव साइन कर ली है। वह जल्द बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर अपनी चुप्पी साध रखी है कि वह किस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में पदार्पण करेंगी। हाल में खबरें सामने आई थीं कि उन्हें यशराज फिल्म्स की तरफ से तीन फिल्मों का ऑफर मिला है। सामंथा को पिछले साल द फैमिली मैन 2 में देखा गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, सामंथा तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों की सूची में शामिल हैं। हाल में उन्होंने अपना फीस बढ़ाया है और एक फिल्म के लिए वह करीब 3-4 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं।(आरएनएस)

## जर्सी को 22 अप्रैल को प्रदर्शित करने की घोषणा

शाहिद कपूर की जर्सी को एक बार फिर से टाल दिया गया है। 31 दिसम्बर को प्रदर्शित होने वाली जर्सी को पहले कोविड-19 के चलते टाला गया था। अब यह 14 अप्रैल को प्रदर्शित होने जा रही थी। फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी थी और सिनेमाघरों को तय कर लिया गया था, लेकिन कल रविवार 10 अप्रैल को अचानक से निर्माताओं ने इसके प्रदर्शन को स्थगित करने की घोषणा करने के साथ ही 22 अप्रैल को प्रदर्शित करने की घोषणा की। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर चर्चा होने लगी है कि शाहिद कपूर की जर्सी ने केजीएफ 2 और बीस्ट के आगे घुटने टेक दिए हैं।

शाहिद कपूर कई दिनों से फिल्म जर्सी का प्रमोशन करने में लगे हुए थे। मशहूर ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने ट्विटर हैंडल पर जानकारी देते हुए बताया है कि फिल्म अब 22 अप्रैल को रिलीज होगी। स्टेकहोल्डर्स ने ये फैसला बीती रात ही किया है। यह पहली बार नहीं जब जर्सी की रिलीज डेट को बदला गया है। इससे पहले भी फिल्म की रिलीज डेट मेकर्स ने कई बार बदली है। बॉक्स ऑफिस पर इन तीनों फिल्मों के महाक्लैश को देखने के लिए दर्शक भी बेताब थे। हालांकि अब जर्सी के मेकर्स ने अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। अब इस फिल्म का केजीएफ चैप्टर 2 और बीस्ट के साथ टकराव नहीं हो पाएगा।

जर्सी की बात करें तो यह फिल्म इसी नाम की तेलुगु फिल्म की आधिकारिक हिंदी रीमेक है। फिल्म की कहानी एक असफल क्रिकेटर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भारतीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करने और अपने बेटे की ख्वाहिश को पूरा करने के लिए एक फिर मैदान में वापसी करता है। फिल्म में शाहिद कपूर के पिता पंकज कपूर भी अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा शाहिद कपूर फिल्म में मृणाल ठाकुर संग ऑनस्क्रीन रोमांस करते दिखाई देंगे।

## मेजर ध्यानचंद की बायोपिक के लिए ट्रेनिंग लेंगे ईशान

मौजूदा दौर में स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों के प्रति मेकर्स का रुझान बढ़ा है। दर्शक काफी समय से हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की बायोपिक का इंतजार कर रहे हैं। हाल में खबर आई थी कि फिल्म में अभिनेता ईशान खट्टर ध्यानचंद का किरदार निभाएंगे। अब सुनने में आ रहा है कि फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले वह कड़ी ट्रेनिंग लेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, ध्यानचंद की बायोपिक की शूटिंग साल के अंत में शुरू होगी और इससे पहले ईशान कठिन ट्रेनिंग से गुजरेंगे। एक करीबी सूत्र ने बताया, मेकर्स नवंबर या दिसंबर में फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। वे जल्द ही फाइनल डेट्स को अंतिम रूप देंगे। अपने मौजूदा कमिटमेंट्स को पूरा करने के बाद अभिषेक प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू करेंगे। वह इन दिनों कोंकणा सेनशर्मा और मनोज बाजपेयी की फिल्म सूप में व्यस्त हैं।

अभिषेक चौबे इस बायोपिक को निर्देशित करने वाले हैं। रॉनी स्क्रूवाला फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे। सूत्र ने बताया फिल्म की शूटिंग शुरू करने से कुछ महीने पहले ईशान इस प्रोजेक्ट के लिए ट्रेनिंग भी शुरू कर देंगे। कहा जा रहा है कि वह विस्तृत रूप से फिल्म के लिए प्रशिक्षण लेंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि ध्यानचंद जैसे बड़े नाम के लिए उन्हें 6 महीने की हॉकी की ट्रेनिंग लेनी होगी। पहले ध्यानचंद की बायोपिक के राइट्स करण जौहर ने खरीदे थे। करण यह फिल्म शाहरुख खान के साथ बनाने वाले थे, लेकिन पोस्ट प्रोडक्शन में समय लगने की वजह से फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई थी।

1905 में प्रयागराज में जन्में ध्यानचंद को हॉकी के जादूगर की उपाधि दी गई है। 1928 में वह एम्टर्डम ओलंपिक में सबसे ज्यादा गोल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। उन्होंने 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। खास बात यह है कि तीनों ही बार वह गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहे। बर्लिन ओलंपिक के बाद हिटलर ने उन्हें जर्मन फौज में बड़े पद का ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया था।

दिलचस्प बात यह है कि ईशान ने अभिषेक के निर्देशन की फिल्म उड़ता पंजाब में असिस्टेंट डायरेक्टर की भूमिका निभाई थी। इसमें उनके भाई और अभिनेता शाहिद कपूर लीड रोल में थे। ईशान रॉनी के साथ पिप्पा में काम कर रहे हैं, जिसमें मृणाल ठाकुर और प्रियांशु पेन्युली नजर आएंगे। फोन भूत भी ईशान की आगामी चर्चित फिल्मों में से एक है। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में उनके साथ कैटरीना कैफ और सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। (आरएनएस)

# हिंदी का बेवजह विरोध

अजीत द्विवेदी

राजनीति हर चीज को विवादित बना देती है, ऐसी चीजों को भी जिनको राजनीति से अलग और पवित्र माना जाना चाहिए। धर्म की तरह भाषा भी ऐसी ही एक चीज है। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में दशकों से भाषा का राजनीतिक इस्तेमाल होता आया है। भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया और भाषा के आधार पर अस्मिताएं बनीं, खासकर राजनीतिक अस्मिताएं। इसका नतीजा यह हुआ कि एक राष्ट्र के तौर पर भारत की अपनी कोई भाषा नहीं बन पाई। अंग्रेजों के जाने के बाद भी अंग्रेजी न सिर्फ संपर्क व संवाद की भाषा नहीं बनी रही, बल्कि शिक्षा की माध्यम भाषा भी अंग्रेजी ही बनी रही, खासतौर पर उच्च शिक्षा की। अंग्रेजी को सहज रूप से ज्ञान की भाषा मान लिया गया। हर विधा और अनुशासन में पाठ्य सामग्री और शोध की सामग्री अंग्रेजी में तैयार की गई। हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया लेकिन वह अनुवाद की भाषा बन कर रह गई। अंग्रेजी को ज्ञान, विज्ञान, संपर्क और संवाद की भाषा के तौर पर स्थापित करने के साथ साथ देश की तमाम क्षेत्रीय भाषाओं को हिंदी का दुश्मन या प्रतिद्वंद्वी भी बनाया गया। यह एक सुनियोजित राजनीति का हिस्सा था, जिस पर अलग से विचार की जरूरत है।

अभी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सिर्फ इतना कहा है कि जिन राज्यों में स्थानीय भाषाओं का प्रचलन है वहां के लोग भी अंग्रेजी की बजाय हिंदी में बात करें। उन्होंने हिंदी को देश के लोगों के बीच संवाद की भाषा बनाने के लिए कहा और इस पर ऐसा तूफान खड़ा हो गया, जैसे उन्होंने देश की सारी भाषाओं के अधिकार छीनने की बात कर दी! राजभाषा विभाग उनके मंत्रालय के तहत आता है और उन्होंने सात अप्रैल को संसदीय राजभाषा समिति की बैठक में कहा कि राज्यों के लोग आपस में हिंदी में संवाद करें। उन्होंने कहा कि आपस में संवाद की भाषा भारत की होनी चाहिए। बाद में उनके मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि 'अमित शाह ने नौवीं क्लास तक के छात्रों के लिए हिंदी की प्रारंभिक शिक्षा और हिंदी शिक्षण परीक्षाओं पर अधिक ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया'। अगर किसी का राजनीतिक एजेंडा न हो और भाषायी अस्मिता की राजनीति का पहलू न जुड़ा तो शाह की इस बात में कुछ भी ऐसा नहीं है, जिसका विरोध किया जाए।

तमिलनाडु और कर्नाटक से लेकर पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से असम तक की पार्टियों और सरकारों ने इसका विरोध किया है। तमिलनाडु के वित्त मंत्री पलानीवेल त्यागराजन ने इस पर टिप्पणी करते हुए बेसिर-पैर का तर्क दिया। उन्होंने कहा कि 'हिंदी देश के कम से कम 60-70 फीसदी लोगों की पहली भाषा नहीं है'। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि 'हमें कन्नड़ पहचान पर गर्व हैज्.इतिहास बताता है कि अन्य राज्यों में हिंदी थोपने का कोई भी प्रयास अच्छा साबित नहीं हुआ है'। तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने कहा कि अगर 'अमित शाह और भाजपा गैर हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी थोपने की कोशिश करते हैं तो इसका विरोध किया जाएगा'। तीन बड़े राज्यों के नेताओं की बातें सुनने के बाद ऐसा लग रहा है कि किसी ने अमित शाह की बात ध्यान से नहीं सुनी और न उस पर गौर किया और हिंदी विरोध के अपने पुराने घिसे-पिटे टेप को बजा दिया।

सोचें, अगर तमिलनाडु के लोग हिंदी नहीं जानते हैं, हिंदी में संवाद नहीं करते हैं तो कैसे हर साल लाखों की संख्या में पर्यटन और तीर्थाटन के लिए आने वाले उत्तर भारतीयों के साथ उनकी बातचीत होती है और कैसे उनके साथ कारोबार करते हैं? कैसे हर साल लाखों लोग तमिलनाडु के शंकर नेत्रालय में जाकर इलाज कराते हैं? केरल ईश्वर का अपना देश कहा जाता है, जहां हर साल लाखों की संख्या में लोग उत्तर भारत से जाते हैं? क्षेत्रीय भाषाओं और अस्मिताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियों के नेताओं को यह मानना चाहिए कि आज देश की 80-90 फीसदी आबादी हिंदी में संवाद करने में सक्षम है और करती भी है। हिंदी सिनेमा, हिंदी गानों, पर्यटन, तीर्थाटन और नौकरी-रोजगार ने पिछले 75 साल में हिंदी को देश के हर हिस्से में पहुंचा दिया है। सिद्धरमैया कुछ भी कहें लेकिन यह हकीकत है कि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश दोनों राज्य आईटी और आईटी आधारित सेवाओं का केंद्र बने तो उसके पीछे हिंदी भाषी प्रांतों के पेशेवरों का सबसे बड़ा योगदान है। लेकिन चूंकि भाषायी अस्मिता एक संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दा है, जिस पर वोट का ध्रुवीकरण कराया जाता है तो इन राज्यों के नेताओं ने इस तरह के बयान दिए।

चाहे पलानीवेल त्यागराजन हों या सिद्धरमैया और सौगत राय, इनका बयान भाषा के संदर्भ में कम और राजनीति के संदर्भ में ज्यादा है। इन राज्यों के नेता हिंदी की बात आने पर उसके बरक्स अपनी भाषा या अंग्रेजी को रखने का मौका कभी नहीं चूकते हैं। यहीं कारण है कि तमिलनाडु के कई नेताओं ने संसद में मंत्रियों के हिंदी में दिए जाने वाले जवाब का विरोध किया। तमिलनाडु के कई सांसदों ने दबाव डाला कि मंत्री अंग्रेजी में जवाब दें, जबकि उनकी डेस्क पर ईयर फोन लगे होते हैं, जिसे कान में लगा कर वे जिस भाषा में चाहें उस भाषा में मंत्री का जवाब सुन सकते हैं। सोचें, अंग्रेजी से उनको लगाव है और हिंदी से विरोध! क्या हिंदी ऐसी वर्चस्व वाली भाषा है? वर्चस्व और अभिजात्य वाली भाषा तो अंग्रेजी है, जिससे देश की राजनीति और राजकाज दोनों को मुक्त कराया जा रहा है।

हो सकता है कि ये नेता एक भाषा के तौर पर हिंदी की ताकत और उसके विस्तार को समझते हों लेकिन चूंकि उनको भाजपा के हर एजेंडे का विरोध करना है इसलिए उन्होंने अमित शाह के इस बयान का भी विरोध किया। अन्यथा अमित शाह के बयान में विरोध करने वाली कोई बात नहीं है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने हिंदी को राजनीति और राजकाज की भाषा के तौर पर स्थापित किया है। हिंदी को वह सम्मान दिलाया है, जो आजादी के तुरंत बाद मिल जाना चाहिए था। देर से ही सही लेकिन हिंदी दिल्ली में स्थापित हुई थी और तय मानें कि एक बार दिल्ली में स्थापित हो जाने के बाद उसके लिए देश की राह आसान हो जाएगी।

हिंदी को संवाद की भाषा बनाने के अमित शाह के बयान का विरोध करने वाले नेताओं को समझना चाहिए कि मोदी और शाह उनके प्रदेश में जाकर हिंदी में भाषण देते हैं और वहां के लोग उन्हें वोट देते हैं। कर्नाटक में हिंदी भाषियों ने नहीं, बल्कि कन्नड़ बोलने वालों ने भाजपा को लोकसभा और विधानसभा में बड़ी जीत दिलाई है। पश्चिम बंगाल में बांग्ला बोलने वालों ने भाजपा को राज्य में 40 फीसदी वोट वाली पार्टी बनाया है तो हैदराबाद में भी नगर निगम के चुनाव में तेलुगू बोलने वालों ने भाजपा को वोट दिया। तभी ऐसा लग रहा है कि भाषा से ज्यादा यह मोदी और शाह का या भाजपा की राजनीति का विरोध है। हिंदी भाषा को उनकी राजनीति के साथ जोड़ा जा रहा है और इस वजह से उनका विरोध किया जा रहा है। बहरहाल, भाजपा और केंद्र सरकार को भी अब हिंदी को सम्मान दिलाने के लिए दिए जाने वाले बयानों से आगे बढ़ कर कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। हिंदी को संवाद और संपर्क की भाषा बनाने के साथ साथ उसे ज्ञान-विज्ञान की भाषा बनाने का भी प्रयास करना होगा।

## सू- दोकू क्र. 98

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 7 | | | 4 | | 3 | | |
| 2 | | | 3 | | | 9 | | 4 |
| | 6 | | | 2 | | | | |
| 3 | | 1 | | | 7 | | 4 | |
| | 2 | | | 1 | | | 6 | |
| 8 | | | 9 | | 4 | | | 1 |
| | | 2 | | 3 | | 7 | | |
| 1 | | | 7 | | 2 | 4 | | 3 |
| | 5 | 3 | | 8 | | | 7 | 2 |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.97 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 2 | 8 | 3 | 1 | 5 | 7 | 4 | 6 |
| 4 | 1 | 6 | 8 | 9 | 7 | 2 | 5 | 3 |
| 7 | 3 | 5 | 4 | 6 | 2 | 8 | 1 | 9 |
| 2 | 7 | 3 | 9 | 8 | 1 | 4 | 6 | 5 |
| 5 | 4 | 1 | 6 | 7 | 3 | 9 | 2 | 8 |
| 6 | 8 | 9 | 2 | 5 | 4 | 1 | 3 | 7 |
| 3 | 6 | 2 | 7 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 |
| 8 | 5 | 7 | 1 | 2 | 6 | 3 | 9 | 4 |
| 1 | 9 | 4 | 5 | 3 | 8 | 6 | 7 | 2 |

# अंग्रेजी को अमित शाह की चुनौती

वेद प्रताप वैदिक

गृहमंत्री अमित शाह ने कल वह बात कह दी, जो भारत के लिए महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया कहा करते थे। शाह ने संसदीय राजभाषा समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के नागरिकों को परस्पर संवाद के लिए अंग्रेजी की जगह हिंदी का इस्तेमाल करना चाहिए। याने भारत की संपर्क भाषा अंग्रेजी नहीं, हिंदी होनी चाहिए! इसमें उन्होंने गलत क्या कहा? भारत को आजाद हुए 75 साल हो रहे हैं और हम अभी भी अंग्रेजी की गुलामी कर रहे हैं। अंग्रेजी न केवल भारत के मुट्ठीभर लोगों की भाषा है बल्कि यह भारत की असली राजभाषा है। राजभाषा के नाम पर हिंदी तो शुद्ध ढोंग है। अब भी सरकार के सारे महत्वपूर्ण काम अंग्रेजी में होते हैं।

भारत का कानून, न्याय, राजकाज, उच्च शिक्षण, शोध, चिकित्सा- सब कुछ अंग्रेजी में होता है। हमारे अनपढ़ और अधपढ़ नेताओं में हिम्मत ही नहीं कि वे अंग्रेजी की इस गुलामी को चुनौती दें। अंग्रेजी महारानी बनी हुई है और समस्त भारतीय भाषाएं उसकी नौकरानियां बन चुकी हैं। इस स्थिति को बदलने का काम हिंदी लाओ नहीं, अंग्रेजी हटाओ के नारे से होगा। अमित शाह को मैं बधाई दूंगा कि वे भारत के ऐसे पहले गृहमंत्री हैं, जिन्होंने दो-टूक शब्दों में अंग्रेजी हटाओ का नारा दिया है। अंग्रेजी हटाओ का मतलब यह नहीं है कि अंग्रेजी मिटाओ। जो स्वेच्छा से अंग्रेजी तो क्या, कोई भी विदेशी भाषा पढ़ना चाहे, उसमें काम करना चाहे, जरुर करे लेकिन बस, वह थोपी नहीं जाए। अगर अंग्रेजी थोपी नहीं जाए तो हिंदी थोपना भी उतना ही गलत है। हिंदी के प्रचलन से यदि किसी अहिंदीभाषी को कोई नुकसान होता हो तो मैं उसका सख्त विरोध करुंगा। अमित शाह अपने भाषण में जरा यह कह देते कि अंग्रेजी हटाओ और उसकी जगह भारतीय भाषाएं लाओ तो इस वक्त जो तूफान उठ खड़ा हुआ है, वह नहीं होता। गुजरातीभाषी अमित शाह के भोलेपन पर कई दक्षिण भारतीय नेताओं को भड़कने का मौका मिल गया। यदि अमित शाह यह कह दें और जो कहें, उसे करें भी कि हिंदीभाषी लोग अन्य भारतीय भाषाएं निष्ठापूर्वक सीखें तो इन अंग्रेजीप्रेमियों की बोलती बंद हो जाएगी। जितने अंग्रेजीप्रेमी दक्षिण भारत में हैं, उससे ज्यादा उत्तर भारत में हैं।

ये कितने हैं ? इनकी संख्या मुश्किल से 8-10 करोड़ होगी। ये लोग कौन हैं? इनमें से ज्यादातर शहरी, उच्च जातीय और मालदार लोग हैं। यही देश का शासक-वर्ग है। यदि अंग्रेजी हट गई तो देश के गरीब, ग्रामीण, पिछड़े, वंचित लोगों के लिए उच्च शिक्षा, उच्च सेवा, उच्च पदों, उच्च आय और उच्च जीवन के मार्ग खुल जाएंगे। अंग्रेजों के ज़माने से बंद इन दरवाजों के खुलते ही देश में समतामूलक क्रांति का सूत्रपात अपने आप हो जाएगा। भारत में सच्चा लोकतंत्र कायम हो जाएगा। लोकभाषाओं को आपस में कौनसी भाषा जोड़ सकती है? वह हिंदी ही हो सकती है? जो संपर्क भाषा के तौर पर हिंदी का विरोध करते हैं, वे अपनी भाषा बोलनेवाले के पक्के दुश्मन हैं। गैर-हिंदी प्रदेशों की आम जनता का अंग्रेजी से कुछ लेना-देना नहीं है। यह सिर्फ उनके तथाकथित भद्रलोक का रोना है। उत्तर भारत और दक्षिण भारत के करोड़ों ग्रामीण, किसान, मजदूर, महिलाएं, हिंदू-मुस्लिम तीर्थयात्री और पर्यटक जब एक-दूसरे के प्रदेशों में जाते हैं तो क्या वे अंग्रेजी में संवाद करते हैं? वे हिंदी में करते हैं। अंग्रेजी दादागीरी की भाषा है और हिंदी प्रेम की भाषा है। वह सहज है।

# कांग्रेस प्रतिनिधिमण्डल ने राज्यपाल से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में कानून व्यवस्था को लेकर आज कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल ने राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया है।

कांग्रेस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से मुलाकात की और राज्य की कानून व्यवस्था पर ज्ञापन सौंपकर संज्ञान लेने का अनुरोध किया गया है।

भगवानपुर में हनुमान जयंती के जुलूस के समय की घटना पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि कानून व्यवस्था खराब हो गई है और वहां असमाजिक तत्वों द्वारा बलवा कराने की कोशिशें की जा रही है। विपक्ष ने घटना को लेकर चिंता व्यक्त की है।

प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व सीएम हरीश रावत, प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, विधायक ममता राकेश सहित कई विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल थे।

# शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न मामले में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। महिला का शारीरिक व मानसिक उत्पीडन करने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट नगर निवासी महिला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके तालुक चाँद हैदर नकवी से लगभग दस वर्षो से था, यह आदमी उसको और उसके परिवार को शुरु मे राशन और खाने पीने का सामान देता रहता था जिसके लालच मे उसके और नजदीक आ गई उसने शुरु से उसका सिर्फ गलत इस्तेमाल के लिए उसको और उसके बच्चो की मदद करी और मेरा शारीरिक शोषण किया किन्तु अब उसके बच्चे बडे हो गए। हैदर उससे आए दिन लडाई पिटाई करता था उसने मार पिटाई का मेडिकल भी तैयार कर रखा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# अग्नि सुरक्षा को लेकर किया जागरूकता

नई टिहरी (आरएनएस)। अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत अग्निशमन विभाग ने चौथे दिन भी अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान जारी रखा। अग्निशमन विभाग ने पीएनबी नई टिहरी सहित घनसाली में विभिन्न प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक करने काम किया। अग्निशमन अधिकारी उदयवीर सिंह ने बताया कि १४ से २० अप्रैल तक चलाये जा रहे अग्नि शमन सेवा सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। रविवार को भी विभिन्न प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाये गये। पीएनबी नई टिहरी में मौजूद कर्मचारियों को अग्नि उपकरणों के साथ उनके उपयोग की जानकारी देते हुये बताया कि आग लगने की घटनाओं को गंभीरता से लेने की जरूरत है। छोटी सी आग की चिंगारी भी भारी नुकसान की द्योत्तक हो सकती है। इसलिए आग लगने पर तुरंत अपने उपकरणों को प्रयोग करें, अग्नि उपकरणों को हमेशा चेक कर एक्टिव मोड में रखें। टीमों के माध्यम से घनसाली व धनोल्टी में विभिन्न प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाकर आग के दौरान सुरक्षा व उपकरणों के बेहतर उपयोग को लेकर जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम में फायरमेन संदीप यादव और दीपक गुसांई भी शामिल रहे।

# मांगों को लेकर लघु व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। रेडी पटरी (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन से जुड़े लोगों ने आज रेलवे स्टेशन, बस अड्डे के रेलवे रोड पर बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, पुरानी कचहरी के सामने वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित किए जाने व पुलिस उत्पीड़न के विरुद्ध जमकर नारेबाजी करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा वर्ष 2018 में रेलवे स्टेशन, बस अड्डा इत्यादि क्षेत्रों के चलती फिरती हाथ ठेली के लगभग 200 से 250 (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों का सर्वे किए जा चुका हैं, 4 वर्ष बीत जाने के उपरांत किसी भी रेडी पटरी के लघु व्यापारी को व्यवस्थित व स्थापित नहीं किया गया है जोकि गहरी चिंता का विषय है।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार रेलवे स्टेशन, बस अड्डा इत्यादि क्षेत्र पार्किंग सार्वजनिक स्थलों पर रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के लिए छोटे-छोटे वेंडिंग जोन बनाए जाने चाहिए ताकि केंद्र व राज्य सरकार के संरक्षण में रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को मिल सके। उन्होंने कहा जब बस अड्डे के पास टैक्सी स्टैंड, रिक्शा स्टैंड, ऑटो रिक्शा स्टैंड की अनुमति दी जा सकती है तो इसी की तर्ज पर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के लिए भी अलग से बाजार विकसित किया जाना न्याय संगत होगा। उन्होंने कहा यदि अनावश्यक रूप से चलती फिरती रेडी के लघु व्यापारियों का शोषण व उत्पीड़न बंद नहीं किया गया तो नगर आयुक्त के कार्यालय के घेराव किए जाएंगे।

बस अड्डा, रेलवे स्टेशन लघु व्यापार एसोसिएशन इकाई अध्यक्ष लाल चंद गुप्ता ने कहा वर्ष 2020-21 में कोरोना वैश्विक महामारी की वजह से रेडी पटरी के लघु व्यापारी अपने स्थानीय कारोबार से वंचित रहे। अब हरिद्वार में तीर्थ यात्रियों व श्रद्धालुओं का आना शुरू हुआ है लघु व्यापारियों को रोजगार की गारंटी के साथ रेलवे स्टेशन, बस अड्डे इत्यादि क्षेत्रों में ही स्थापित किया जाए। प्रदर्शन करने वाले लघु व्यापारियों में राजेंद्र पाल, विजय गुप्ता, भोला यादव, सुभाष कुमार, वीरेंद्र गौतम, किशोर रावत, विकास सक्सेना, कुर्ती लाल, राजकुमार सहित कई लोग शामिल रहे।

# कार की टक्कर से युवक घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की टक्कर से पैदल चल रहा युवक घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बापू ग्राम ऋषिकेश निवासी रविन्द्र कुमार कुकरेती नीम करोली हनुमान मन्दिर के पास पैदल जा रहा था तभी तेज गति से आ रही आल्टो कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भी भर्ती कराया गया। पुलिस ने घायल के भाई भूपेन्द्र की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# चारधाम यात्रा को लेकर पुलिस और परिवहन विभाग ने की बैठक

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। चारधाम यात्रा को लेकर पुलिस एवं सम्भागीय परिवहन विभाग ने व्यापारी, होटल संचालक व टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ संयुक्त गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें लाज व होटल संचालकों को निर्धारित रेट लिस्ट लगाने एवं गौरीकुंड से शटल सेवा की समस्याओं पर चर्चा की गई। ताकि यात्रा के दौरान यात्रियों को कोई दिक्कत न आए। गुप्तकाशी में हुई गोष्ठी में सभी होटल, लॉज संचालक, होटल बुकिंग की सूचना देने तथा यात्रियों के आईडी प्रूफ प्राप्त कर रजिस्टर में पूर्ण प्रविष्टि विवरण अंकित करने तथा होटल, लॉज में निर्धारित रेट लिस्ट लगाए जाने के निर्देश दिए। होटलों में आने वाले यात्रियों के वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़ा कराने के लिए तथा यातायात सुचारू रखे जाने में सहयोग प्रदान की अपील की। टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ वार्ता की गई, जिसमें वाहन संचालकों को यात्रियों से निर्धारित किराया वसूल करने को कहा गया। पुलिस को शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। यात्रा काल में सोनप्रयाग से गौरीकुण्ड तथा अस्थाई पार्किंग बड़ासू, फाटा गुप्तकाशी से सोनप्रयाग तक शटल सेवा चलाने के लिए संबंधित टैक्सी यूनियनों से वार्ता की गई। व्यापारियों की समस्या का यथासम्भव उचित निस्तारण किए जाने तथा यात्राकाल में यातायात की सुचारु स्थिति के अनुरूप माल वाहक वाहनों का समय निर्धारित किए जाने पर चर्चा की।

# लाखों की धोखाधडी में इंवेट कम्पनी पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। विवाह समारोह केनाम पर लाखों की धोखाधडी के मामले में इंवेट कम्पनी पर मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पांवटा साहिब निवासी सुनील वशिष्ठ ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी का विवाह होना था। फरवरी, 2020 के महीने में, मेरा परिवार मेरी बेटी की शादी और अन्य पूर्व-विवाह समारोहों के आयोजन और व्यवस्था के लिए एक वेडिंग प्लानर की तलाश कर रहा था। ऑनलाइन सर्फिंग के दौरान, मेरी बेटी ईशा ने शादीवायर डॉट इन ऐप के नाम से एक ऐप संचालित किया और उक्त ऐप के माध्यम से, वह उपरोक्त नाम मैक्सवेल डॉलन के संपर्क में आई, जिन्होंने प्रतिनिधित्व किया कि वह नाम और शैली में एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी चला रहे हैं। शादीवाले की। मैक्सवेल डॉलन के साथ फोन और व्हाट्सएप पर प्रारंभिक चर्चा के बाद, मेरी बेटी, मेरे दामाद और मैक्सवेल डॉलन (मैक्स) के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर बैठक हुई।

मैक्सवेल डॉलन (मैक्स) ने हमारे परिवार का प्रतिनिधित्व किया कि उनकी कंपनी शादीवाले देहरादून में अग्रणी वेडिंग प्लानर्स में से एक है और उन्हें शादी के कार्यक्रमों के आयोजन में 10 से अधिक वर्षों का अनुभव है। मैक्सवेल डॉलन के एक प्रतिनिधि अर्थात् रवि बांगिया हमारे साथ उपस्थित थे और रिजॉर्ट मालिकों के प्रबंधकों के साथ हमारी बैठकों की व्यवस्था करते थे। हमारे बीच एक समझौता हुआ और उसने मैक्सवेल डालन को छह लाख रूपये दे दिये। जिसके बाह लोक डाउन लगने पर उसकी बेटी का विवाह समारोह टल गया। जिसके बाद उसने मैक्सवेल डालन से सम्पर्क कर अपने पैसे वापस मांगे तो उसने देने से साफ इंकार कर दिया और गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी थी। पुलिस ने इंवेट कम्पनी के संचालक सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## एक नजर

# लाउड स्पीकर लगाने से पहले राज्य सरकार से लेनी होगी परमिशन

मुंबई। महाराष्ट्र में अब धार्मिक स्थलों पर लाउड स्पीकर लगाने से पहले राज्य सरकार से परमिशन लेनी जरूरी होगी। राज्य के गृहविभाग ने धार्मिक स्थलों पर लाउड स्पीकर के इस्तेमाल को लेकर कोर्ट के आदेशों को लागू करने का फैसला किया है। खास बात है कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे लगातार राज्य सरकार को मस्जिदों से लाउडस्पीकर

हटाए जाने की चेतावनी दे रहे थे। अब महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक की है। उन्होंने सभी पुलिस आयुक्तों और अधिकारियों को नए फैसले से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। नाशिक पुलिस आयुक्त ने पहले ही लाउड स्पीकर के इस्तेमाल के लिए अनुमति लेने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, महाराष्ट्र डीजीपी को जिला प्रशासनों के साथ मीटिंग करने के लिए भी कहा गया है। राज ठाकरे के बयान के बाद राज्य में लाउडस्पीकर को लेकर तनाव ज्यादा बढ़ गया था। उन्होंने ३ मई तक मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटने की स्थिति में हिंदू भाइयों को तैयार रहने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि लाउड स्पीकर के मुद्दा धार्मिक से ज्यादा सामाजिक है।

# पाकिस्तान भारत के साथ शांतिपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है: शहबाज शरीफ

नई दिल्ली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच सार्थक द्विपक्षीय संबंध बनाए रखने का आग्रह किया है। ये जानकारी मीडिया ने दी। शरीफ का पत्र रविवार को मोदी द्वारा भेजे गए बधाई संदेश के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत पाकिस्तान के साथ रचनात्मक संबंधों का समर्थन करता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रधानमंत्री के पत्र का जवाब दिया और कश्मीर सहित दोनों देशों के बीच मुद्दों को हल करने की मांग की और कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ शांतिपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है।

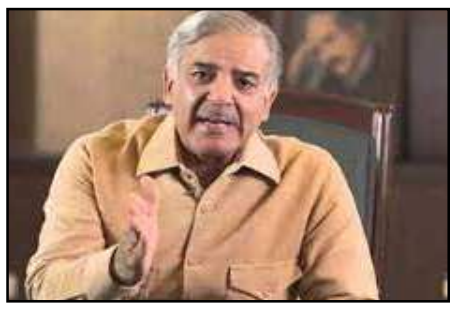

हालांकि, भारत ने अपने रुख को दोहराया कि वह पाकिस्तान के साथ मजबूत राजनयिक संबंध चाहता है, बशर्ते कि इस्लामाबाद आतंक मुक्त और शत्रुता से परे माहौल पैदा करे। पीएम मोदी ने ११ अप्रैल को ट्वीट किया, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में चुने जाने पर मियां मुहम्मद शहबाज शरीफ को बधाई। भारत आतंक मुक्त क्षेत्र में शांति और स्थिरता चाहता है, ताकि हम अपनी विकास के लिए चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें और अपने लोगों की भलाई और समृद्धि सुनिश्चित कर सकें।

# उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव बरामद

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजीपुर में एक ही परिवार के ४ लोगों के मौत की खबर सामने आई है। घटना को लेकर इलाके में हड़कंप मच गया है। दरअसल पूरा मामला सादात थाना क्षेत्र के सादात बाजार का है जहां पर डब्लू सोनकर अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था। बीती रात

परिवार के अन्य लोगों और आसपास के लोगों से मिलकर घर गया और उसके बाद देर रात पहले अपनी पत्नी और दोनों बच्चों को गला घोंट कर मार डाला और फिर खुद फांसी पर लटक कर जान दे दी। आज सुबह इसकी जानकारी तब हुई जब उनके बड़े भाई की बेटी अपने काम पर जा रही थी और रोज की भांति डब्लू की बेटी जब उसे बाय करने नहीं आई तब उन्हें कुछ शक हुआ और दरवाजा नहीं खुलने पर उसने आसपास के लोगों को बुलाया और उसके बाद दरवाजा तोड़ा गया तो लोगों की आंखें फटी की फटी रह गई क्योंकि तीन शव जहां एक बिस्तर पर पड़ी हुई थी तो वहीं घर का मुखिया डब्लू फांसी पर लटका हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही सादात सहित अन्य थानों की फोर्स भी मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# आज भी हिस्सा-हिस्सा बंटी नजर आई कांग्रेस

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस की गुटबाजी अब छुपाने से भी नहीं छुप रही है भले ही कांग्रेस के तमाम नेता पार्टी में गुटबाजी से इंकार करें या फिर एकता के लाख दावे करें, लेकिन कल प्रदेश अध्यक्ष की ताजपोशी के दौरान 19 में से 8 विधायकों की गैर हाजिरी और मंच पर हुई कुर्ता-घसीटन ने उनकी एकता की कलई सबके सामने खोल कर रख दी। ठीक वैसा ही नजारा आज नेता विपक्ष व उप नेता विपक्ष की ताजपोशी के दौरान भी देखने को मिला। जब 19 में से सिर्फ 8 विधायक ही उनके साथ खड़े दिखे।

**●नेता विपक्ष की ताजपोशी में 11 विधायक नहीं दिखे**
**●हरीश रावत कल भी रहे मौजूद और आज भी**

हाईकमान द्वारा प्रदेश कांग्रेस की इस गुटबाजी के चलते ही प्रदेश अध्यक्ष और नेता विपक्ष के चयन में प्रीतम सिंह और हरीश रावत दोनों को ही किनारे कर दिया गया था। लेकिन इसके साथ विवाद खत्म होने के बजाय और अधिक बढ़ गया। गढ़वाल मंडल की उपेक्षा का आरोप लगाकर तथा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाले यशपाल आर्य को नेता विपक्ष बनाने के विरोध के कारण अब हालात यह है कि प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के सामने भी यह चुनौती खड़ी हो गई है कि वह इस हाल में पहुंची कांग्रेस को कैसे एकजुट रख सकेगें।

प्रीतम सिंह जो नेता विपक्ष के सबसे प्रबल दावेदार थे, न तो कल करन माहरा की ताजपोशी में मौजूद थे न आज आर्य के कार्यभार संभालने के समय मौजूद रहे। १९ में से सिर्फ 8 विधायकों की मौजूदगी यह बताती है कि हालात कितने गंभीर हैं। कांग्रेस के सामने निकाय चुनाव व 2024 के चुनाव की चुनौती है लेकिन इससे हिस्से में बंटी कांग्रेस से कैसे निभाईगी? भले ही करन माहरा यह कह रहे हो कि वह सबसे छोटे हैं तथा सभी को साथ लेकर चलेंगे और काम करने वालों को पूरा सम्मान दिया जाएगा लेकिन उनके सामने कांग्रेस को एक सूत्र में बांधे रखना कठिन ही नहीं असंभव चुनौती है।

## युवती के साथ दुष्कर्म के प्रयास में मंगेतर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। सगाई के बाद युवती के साथ दुष्कर्म का प्रयास व मारपीट करने के मामले में पुलिस ने मंगेतर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरभजवाला निवासी व्यक्ति ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पुत्री कि सगाई 23 जनवरी 2022 को मुकुल पाल पुत्र राजेश पाल निवासी धर्मपुर के साथ की गयी थी। जिसका लगभग खर्च दो लाख पच्चीस हजार हुआ था। सगाई के तत्पश्चात मुकुल पाल एवं उसके पिता द्वारा उसको शादी का दबाव बनाया गया। जो कि शर्त मजबूरन उसको माननी पडी और शादी की तारीख 2 मई 2022 तय की गई थी। 10 अप्रैल को जिस समय मुकुल घर पर आया तो घर पर लडकी के अलावा कोई नहीं था । मौका पाकर लडके द्वारा लडकी के साथ गलत छेडछाड एवं रेप करने की कोशिश की गई । लडकी के मना करने पर मुकुल द्वारा लडकी के साथ मारपीट की गई । जिसका मेडिकल संलग्न किया गया है । इस घटना से लडकी मानसिक रूप से तनाव में है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

## दंगाइयों पर होगी सख्त..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

छोड़कर भाग गए हैं।

दिल्ली और उत्तराखंड की इन घटनाओं के मद्देनजर पुलिस प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वह किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि राजधानी दून में भी शोभायात्रा के दौरान तहसील चौक पर दोनों समुदायों के लोगों में टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी लेकिन इसे पुलिस के हस्तक्षेप के कारण संभाल लिया गया था।

# एसटीएफ ने गैंगस्टर तोमर की 153 करोड की सम्पत्ति कुर्क की

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने बागपत के शातिर गैगस्टर यशपाल तोमर की एक सौ 53 करोड 29 लाख की चल व अचल सम्पत्ति को कुर्क कर दिया। जिसमें बुलेटप्रूफ फॉर्च्यूनर भी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी 2022 को एसटीएफ ने बागपत निवासी यशपाल तोमर को गैगस्टर एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेजा था जोकि वर्तमान में हरिद्वार जेल में बन्द है। इसके खिलाफ उत्तराखण्ड व उत्तर प्रदेश में दर्जनों धोखाधडी सहित विभिन्न धाराओं में दर्जनों मुकदमें दर्ज हैं।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश (उत्तराखण्ड) गिरोह बंद और समाज विरोधी क्रिया कलाप अधिनियम 1986 का प्रयोग करत हुए एसटीएफ उत्तराखण्ड ने गैंगस्टर यशपाल तोमर की एक सौ 53 करोड 29 लाख रूपये की चल व अचल सम्पत्ति जिसमें लग्जरी वाहनों में बुलेटप्रूफ फॉर्च्यूनर आदि को जिला मजिस्ट्रेट हरिद्वार के

## मारपीट में दो नामजद

देहरादून (सं)। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्राहमणवाला निवासी मौहम्मद साजिद ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह इन्द्र लोक कालोनी की तरफ जा रहा था तभी साजिद व जावेद वहां पर आ गये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसका मारना पीटना शुरू कर दिया। आसपास के लोग जब वहां पहुंचे तो दोनों उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये।

**●बुलेटप्रूफ फॉर्च्यूनर भी इसमें शामिल**

विधिवत आदेश से कुर्क कराया गया है। आदेश में सम्बन्धित तहसीलदार हरिद्वार, दादरी, बडौत, सोनी व पूर्वी दिल्ली को प्रशासक नियुक्त किया गया। उत्तराखण्ड की स्पेशल टॉस्क फोर्स की विभिन्न टीमें कुर्क वाहनों और आदेश की तामील को उत्तर प्रदेश, दिल्ली रवाना कर दिया गया है। इस गिरोह के अन्य सदस्यों भी एसटीएफ के रडार पर हैं जिनपर शीघ्र शिकंजा कसा जायेगा।

**आर.एन.आई.-** 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

***प्रधान संपादक***
**कांति कुमार**

***संपादक***
**पुष्पा कांति कुमार**

***समाचार संपादक***
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*